कक्षा : छठी	विषय : हिंदी	व्याकरण : भाषा, बोली...
माह : अप्रैल		दिवस : १०, ११ एवं १२

भाषा,बोली.....

भाषा–बोली के बिना, हो सकती नहीं है बात।
व्याकरण देता है, भाषा के नियमों की सौगात।
लिपि की चलती चाक, उसे दे रंग, रूप, आकार
फिर चाहे जो बोलें लिखें, भावों को दें आधार।

भाषा : एक दूसरे के मन के भावों को समझने और अपने मन के भावों को समझाने के लिए भाषा की आवश्यकता होती है।

भाषा के मुख्य दो भेद होते हैं–

- मौखिक
- लिखित

➢ मौखिक भाषा – अपने विचार बोलकर दूसरों तक पहुँचाने के साधन को मौखिक भाषा कहते हैं। जैसे–रेडियो, भाषण आदि।

➢ लिखित भाषा – अपने विचार लिखकर दूसरों तक पहुँचाने के साधन को लिखित भाषा कहते हैं। जैसे– समाचार–पत्र, किताब आदि।

सांकेतिक भाषा

इन दोनों के अलावा भाषा का एक और भेद है – सांकेतिक भाषा।

इसे कमज़ोर समझकर भाषा के मुख्य भेदों से दूर ही रखा जाता रहा, पर ध्यान देने की बात है कि जब मौखिक और लिखित भाषाएँ नहीं थीं, तब इसी भाषा के सहारे आदमी अपनी बात समझाता था। भावों के आदान–प्रदान का प्राचीनतम माध्यम भी सांकेतिक भाषा ही है। आज यह मूक–बधिर समुदाय की वाणी है, सड़क या खेल–मैदान में, अस्पताल, स्टेशन या विमान–पत्तन पर, हर सामान्य और अनिवार्य निर्देश का यह एकमात्र और सशक्त साधन है। अब तो ध्वनि प्रदूषण कम करने का यह कारगर उपाय भी है।

बोली

परिभाषा – भाषा के क्षेत्रीय या स्थानीय रूप को बोली कहते हैं।
उदाहरण – भोजपुरी, मगही, अंगिका आदि बोलियाँ हैं।

व्याकरण

व्याकरण : भाषा के सही प्रयोग के लिए बनाए गए नियम।

❖ व्याकरण किसी भाषा को शुद्ध रूप से बोलना, लिखना आरै पढ़ना सिखाने में सहायक होता है।

व्याकरण के भाग –

क. वर्ण विचार **ख.** शब्द विचार **ग**. पद विचार **घ.** वाक्य विचार

लिपि

लिपि : भाषा के लिखने की विधि को **लिपि** कहते हैं।
यथा– हिंदी, संस्कृत, मराठी तथा नेपाली की लिपि–देवनागरी, अंग्रेज़ी की लिपि– रोमन एवं उर्दू की लिपि– फ़ारसी है।

हम नहीं भूलेंगे

- जिस साधन द्वारा हम बोलकर, सुनकर, लिखकर या पढ़कर अपने विचारों को प्रकट करते हैं, उसे भाषा कहते हैं।
- भाषा के तीन प्रकार हैं – मौखिक, लिखित एवं सांकेतिक।
- भाषा का क्षेत्रीय रूप बोली है।
- व्याकरण ही हमें भाषा को शुद्ध रूप से बोलना, पढ़ना एवं लिखना सिखाता है।
- भाषा के लिखने की विधि को लिपि कहते हैं।

अभ्यास कार्य

कार्य–प्रपत्र

१. रिक्त स्थानों की पूर्ति उचित शब्दों से कीजिए।
(क) भाषा की सबसे छोटी इकाई ..... है।

(ख) कथित भाषा में ..... का प्रयोग होता है।

(ग) भाषा के दो रूप हैं– 1. ..... 2. .....।

(घ) भाषा का मौखिक रूप .....की अपेक्षा अधिक आसानी से बदल जाता है।

(ड.) भाषा को शुद्ध रूप में लिखने, बोलने आरै पढ़ने के लिए ..... की आवश्यकता होती है।

२. निम्नलिखित क्रियाओं के सामने भाषा का उचित रूप लिखिए।
(क) समाचार–पत्र पढ़ना .....

(ख) कविता पढ़ना .....

(ग) कहानी सुन .....

(घ) गृहकार्य करना .....

(ड.) भाषण देना .....

३. निम्नलिखित वाक्यों को पढ़कर सही/गलत के निशान लगाइए।
(क) भाषा का प्रयोग केवल मनुष्यों द्वारा ही किया जाता है।

(ख) सभी भाषाओं की केवल एक लिपि होती है।

(ग) भाषा का शुद्ध प्रयोग बोली द्वारा सीख सकते हैं।

(घ) 'अंगिका' भाषा का उदाहरण है।

४. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–
(क) किसी भाषा को शुद्ध रूप से पढ़ने, लिखने और बोलने का साधन क्या है?
.....

(ख) व्याकरण के कितने विभाग माने गए हैं?.....

(ग) व्याकरण के जिस भाग से वाक्यों का अध्ययन किया जाता है, उसे क्या कहते हैं?

.....

(घ) जब कोई शब्द वाक्य से जुड़ा हो तो वह क्या कहलाता है?

.....

५. निम्नलिखित शब्दों को सही क्रम में लिखकर वाक्य बनाइए–

(क) है भाषा हिंदी हमारी राजभाषा।

.....

(ख) मिलता फल है कर्मों का सबको अपने।

.....

(ग) है युग आधुनिक आज का ।

.....